Dr. Dhananjay Kumar
Assistant Professor
S.R.A.P College
Course — BA II

शिवाजी

शिवाजी के बारे मे जानने का स्रोत क्या?

(i) फतवा-ए-आलमगीरी

= यह धार्मिक-प्रशासनिक साहित्य है किसी एक की देन नही संकलित रचना, जिसमे औरंगजेब के आदेश-निर्देश का संग्रह है यह मुगल के इतिहास को साथ-साथ मराठो की इतिहास बनाने का भी अहम स्रोत है।

(ii) फुतूहात-ए-आलमगीरी

- ईश्वरदास की रचना मुगल-राजपुताना इतिहास मे प्रमुख रूप से रचना सिमित रूप से कहीं-कहीं मराठवारे क्षेत्र की भी रचना।

(iii) नुस्खा-ए दिलकुशा

- भीमसेन की रचना मुगल और दक्कन भारत संबंध जानने मे उपयोगी

(iv) मुन्तखब-उल-लुबाब

- खाफी खाँ की रचना औरंगजेब समय हुए विद्रोह की जानकारी, मुगल मराठा संबंध की जानकारी।

- इसके अलावे प्राथमिक स्रोत में मराठा क्षेत्र की अपनी भी रचना है जैसे :-

(i) बखर साहित्य :- बखर का सामान्य अर्थ होता है जीवन-चरित्र या जीवनी साहित्य। शिवाजी की जीवनी को उनके दरबार के कई सदस्यों ने मिलकर तैयार किया।

भाषा	साहित्य का नाम क्या (जीवनी)
(i) संस्कृत	जीवन चरित्र
• बांग्ला	चेरिता पद्य / चेरिता पैरक
• तमिल	उलाएँ
• असमिया	बुरन्जी
• मराठी	बखर

(ii) आज्ञापत्र / आज्ञापत्र / साहितील :- मराठी भाषा में Official Record को लेकर रामचंद्र पंत ने इसे

16

तैयार किया था।

भाषा	Official Record से तैयार साहित्य
(i) राजस्थानी	ख्यात
(ii) तमिल	परंनी
(iii) फारसी	अखबरात
(iv) मराठी	अदनापत्र/ सोहितील

- विदेशी यात्रियों के भारत मे सबंधी Records
= कामेंटरिज

. पावडाओ (पोवाडे) : इसमें मराठी भाषा में मराठा क्षेत्र के सौर्य वीरो की कविता है

. हरिपद के अभंग : तुकाराम की रचना — इससे शिवाजी के उत्थान की पृष्ठभूमि का पता चलता

. दासबोध : समर्थ गुरु रामदास की रचना

. राजा-व्यवहारकोश : जयराम पंड्ये की रचना। इससे मराठा प्रशासन की जानकारी मिलती मराठे के प्रशासनिक अनुभव की जानकारी।

- शिवाजी के चरित्र के लेखक कृष्णा जी अनंत सभासद

- Primary sources के अलावे कुछ tertiary और secondary source भी है जिससे मराठा क्षेत्र के बारे मे जान पाते।

(i) Grant Duff की रचना - History of मराठा

(ii) सरदेसाई की रचना !-

(iii) महादेव गोविंद रानाडे की रचना ! Rise and Growth of Shivaji

(iv) यदुनाथ सरकार की रचना !- औरंगजेब (5 volume मे)

• शिवाजी का जीवन परिचय :-

जन्म = 20 April 1627 शिवनेर किला महाराष्ट्र

दादा जी = मालव जी भोंसले

पिता = शाह जी भोंसले

नाना = लखु जी जाधव

माँ = जीजाबाई

8

शिवाजी का वंश = भोंसले वंश

शिवाजी के ऊपर सबसे ज्यादा प्रभाव = (i) माँ जीजाबाई
(ii) संत तुकाराम
(iii) संत गुरु रामदास

शिवाजी का मूल पैतृक जागीर क्षेत्र = (i) पूना का जागीर (दादा जी की ओर से)
(ii) सतारा का जागीर (पिता की ओर से)

शिवाजी के प्रारंभिक संरक्षक अभिभावक = दादाजी कोंडदेव

शिवाजी के प्रारंभिक आध्यात्मिक गुरु = समर्थ गुरु रामदास और तुकाराम

दक्कन भारत का वह व्यक्ति जिससे शिवाजी ज्यादा प्रभावित हुए। = मलिक अंबर (1626 में इनकी मृत्यु, क्योंकि युद्ध तकनीक गोरिल्ला युद्ध से ज्यादा प्रभावित